29.12.2014

एक रॉयल बच्ची कि सृष्टि के रचयिता से रुहरिहान

पहली स्मृति

आँख खुलते ही संकल्प करें कि मैं आत्मा हूँ। मैं इस धरा को प्रकाशमय करने के लिये स्वीट लाइट के होम से अवतरित हुई हूँ।

मैं कौन हूँ ?

मैं एक रॉयल बच्ची हूँ। मैं पवित्रता की स्मृति का तिलक, विश्व कल्याण की ज़ुम्मेवारी का ताज, और बापदादा के दिलतख्त की स्मृति को याद कर रहीं हूँ।

मैं किसकी हूँ**?**

आत्मा की बाबा से रूहरिहान:

बाबा आप सृष्टि के रचयिता हैं। मैं आपके साथ एक गहरे सम्बंध का अनुभव कर रही हूँ। बाबा! आपकी बच्ची होने के नाते इस संसार में मेरे लिये कोई भी वस्तु अप्राप्त नहीं है।

मीठे बाबा - गुड मॉर्निंग।

बाबा की आत्मा से रूहरिहान:

मीठे बच्चे! जागो! मेरे साथ बैठो। यही वो संपूर्ण प्राप्तिओं का जीवन है जो तुम्हे विश्व रचयिता के ईश्वरीय परिवार का सदस्य बनने से मिलता है। याद करो कि तुम कौन हो और अपने आपको इस विस्मृति के खेल

से मुक्त करो। तुम अपने निजी स्वरूप को स्मृति में लाओ और अधिकारी आत्मा बन जाओ।

बाबा से प्रेरणाऐ:

अपने मन को सर्व बातों से हटा कर बाबा में लगाऐं। बाबा है साइलेन्स का सागर। इस साइलेन्स में मैं बाबा से प्रेरणायुक्त और पवित्र सेवा के संकल्प ले रही हूँ।

बाबा से वरदान:

सूक्ष्म वतन में मीठे बाबा के सामने मेरा फरिश्ता स्वरूप साफ दिखाई दे रहा है। बहुत प्यार व शक्तिशाली दृष्टि से बाबा मुझे वरदान दे रहें हैं - तुम वो आत्मा हो जिसे खुशियों का अविनाशी खजाना मिल रहा है। तुम्हारे "क्यों" के गीत अब खत्म हो गये हैं और हर दिन तुम "वाह मेरा बाबा", "वाह मेरा भाग्य" और "वाह मेरा स्वीट परिवार" के ये गीत गा रही हो।

बेहद की सूक्ष्म सेवा: (आखिरी के पंद्रह मिनिट - प्रातः ४:४५ से ५:०० बजे तक)

बाबा द्वारा इस वरदान को अपने शुभ संकल्पों द्वारा, वरदाता बन, मैं पूरे विश्व को दान दे रही हूँ। अपनी फरिश्ता ड्रेस पहन कर मैं विश्व भ्रमण करते हुए सर्व आत्माओं को ये वरदान दे रही हूँ।

रात्रि सोने के पहले

आवाज़ की दुनिया के पार जा कर अपनी स्टेज को स्थिर बनाऐं। चेक करें की आज मैंने दिन भर में किसी बात की अवज्ञा तो नहीं की? अगर हाँ तो बाबा को बताऐं। किसी के मोह या आकर्षण मे बुद्धि तो नही फंसी? अपने कर्मो का चार्ट बनाऐं। तीस मिनिट के योग द्वारा किसी भी गलत

कर्म के प्रभाव से स्वयं को मुक्त करें। अपने दिल को साफ और हल्का कर के सोऐं।